NEWS CLIPPING: 24, 25 & 26.06.2017

DAINIK JAGRAN

फरीदाबाद
जागरण सिटी

सावल क्रिकेट अकादमी ने जीता खिताब IV

वाईएमसीए से संबद्ध होंगे फरीदाबाद पलवल के इंजीनियरिंग व बीएड कॉलेज

बिजेंद्र बंसल, फरीदाबाद

फरीदाबाद व पलवल के 13 इंजीनियरिंग और 27 बीएड कॉलेज अब वाईएमसीए साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी से संबद्ध होंगे। इसकी अधिसूचना तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अनिल मलिक ने शुक्रवार जारी कर दी है। कॉलेज वर्ष 2017-18 के सत्र के लिए छात्रों का प्रवेश वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के अंतर्गत ही करेंगे। इंजीनियरिंग और बीएड कॉलेज के संचालकों ने सरकार के इस निर्णय पर खुशी व्यक्त की है। एसोसिएशन सेल्फ फाइनेंसिंग प्राइवेट इंस्टीट्यूशन्स ऑफ हरियाणा के प्रधान डॉ.प्रदीप कुमार का कहना है कि इससे निजी व सरकारी कॉलेजों के छात्रों को फायदा होगा।

उन्होंने बताया कि इस साल इंजीनियरिंग के दाखिले के लिए प्रवेशी परीक्षा जेईई में 12 लाख छात्रों ने परीक्षा दी। वाईएमसीए में 40 हजार की रैंक वाले छात्र का दाखिला होता है। इससे अब निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ने वाले कॉलेज के छात्रों की रैंकिंग भी वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के समान हो जाएगी। एसोसिएशन के प्रवक्ता संतोष गुप्ता सीए का कहना है कि अभी तक सभी इंजीनियरिंग कॉलेज महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से संबद्ध रहे हैं। इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों को अब एक तकनीकी विश्वविद्यालय की गुणवत्तापरख व रोजगारोन्मुखी शिक्षा से जुड़ने का मौका मिलेगा।छात्रों की पसंद के विषय व कोर्स भी आसानी से उपलब्ध कराए जा सकते हैं। जिले में सबसे पुराने बीएड कॉलेज शिव कॉलेज के चेयरमैन विनोद नागर के अनुसार इससे फैकल्टी का भी प्रशिक्षण होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का यह कदम इंजीनयरिंग और बीएड कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों के लिए काफी फायदेमंद रहेगा। छात्रों को यूनिवर्सिटी से संबंधित मामलों के लिए दूर नहीं जाना होगा।

> हम राज्य सरकार के निर्णय का स्वागत करते हैं। इससे फरीदाबाद व पलवल के इंजीनियरिंग व बीएड कॉलेज की शैक्षणिक सुविधाओं में इजाफा होगा। हम यूनिवर्सिटी को अंतरराष्ट्रीय मापदंड की शैक्षणिक योग्यता पर तैयार कर चुके हैं। इसका फायदा अब 13 इंजीनियरिंग व 27 बीएड कॉलेज को मिलेगा।
>
> **डॉ.दिनेश अग्रवाल**, कुलपति, वाईएमसीए साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी,फरीदाबाद

डॉ.जगदीश चंद्र बसु के नाम पर हो सकता है वाईएमसीए यूनिवर्सिटी का नाम: भौतिकी, जीव विज्ञान व वनस्पति विज्ञान के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ.जगदीश चंद्र बसु के नाम पर वाईएमसीए साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी का नाम हो सकता है। यूनिवर्सिटी की कार्यकारी समिति ने इसका प्रस्ताव पारित कर राज्य सरकार को भेज दिया है। यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ.दिनेश अग्रवाल ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वाईएमसीए यूनिवर्सिटी से छात्रों में भ्रम पैदा होता है कि राज्य की इस यूनिवर्सिटी का नाम अभी भी वाईएमसीए क्यों है।

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 24, 25 & 26.06.2017

DAINIK JAGRAN

सप्ताह का साक्षात्कार

जीवन परिचय

नाम : डॉ. दिनेश अग्रवाल

शिक्षा : कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से 1991 में एम.फिल, माइक्रो इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग एंड सेमीकंडक्टर फिजिक्स में

केंब्रिज यूनिवर्सिटी से 1994 में पीएचडी

पुरस्कार : 2015 में डॉ. होमी जहांगीर भाभा स्मृति पुरस्कार विजेता

वाईएमसीए में देंगे रोजगारोन्मुख शिक्षा : दिनेश अग्रवाल

राज्य सरकार ने फरीदाबाद व पलवल के 13 इंजीनियरिंग एवं 27 बीएड कॉलेज वाईएमसीए साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी से संबद्ध कर दिए हैं। पहले ये कॉलेज महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से संबद्ध थे। दोनों जिलों के कॉलेजों को वाईएमसीए यूनिवर्सिटी से जुड़ने का क्या फायदा मिलेगा और वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में क्या नया बदलाव होने जा रहा है,इन सवालों को लेकर यूनिवर्सिटी के कुलपति **डॉ.दिनेश अग्रवाल** से दैनिक जागरण के मुख्य संवाददाता **विजेंद्र बंसल** ने विस्तृत बातचीत की, प्रस्तुत है, बातचीत के प्रमुख अंश :

● वाईएमसीए से संबद्ध हुए 40 इंजीनियरिंग व बीएड कॉलेज के शैक्षणिक सुधार के लिए क्या योजना है ?

हमने पिछले एक साल में वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में शैक्षणिक सुविधाएं ही नहीं अन्य संसाधनों की दृष्टि से काफी सुदृढ़ किया है। यही कारण है कि राज्य सरकार ने इन कॉलेज को यूनिवर्सिटी से संबद्ध किया है। हम इन कॉलेज में भी यही सुधार करना चाहेंगे। सभी कॉलेज का शैक्षणिक स्तर सुधरे, इसके लिए हम इन कॉलेज के प्रबंधन, फैकल्टी से लेकर पूर्व छात्रों का भी सहयोग लेंगे। फिलहाल हम कॉलेजों को वे सभी शैक्षणिक सुविधाएं देंगे जो इन्हें पूर्व की यूनिवर्सिटी से नहीं मिल पा रही थी।

● क्या सभी कॉलेज को दोबारा वाईएमसीए यूनिवर्सिटी से मान्यता लेनी होगी ?

हां, पहले तो मैं यह स्पष्ट कर दूं कि यह मान्यता वर्ष 2017-18 से ही लागू होगी। मगर यह एक सामान्य प्रक्रिया होगी, जिनकी पहले से पूर्व की यूनिवर्सिटी में मान्यता है, उनके लिए वाईएमसीए ऑनलाइन दोबारा मान्यता उपलब्ध कराएगी। इसके बाद समय-समय पर मान्यता के मापदंड की जांच होगी।

● छात्रों को क्या अलग मिलेगा वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में ?

देखिए, हमने सोच लिया है कि वाईएमसीए यूनिवर्सिटी से संबद्ध कॉलेज की शैक्षणिक गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मापदंड पर होगी। इसके लिए हम कॉलेज की फैकल्टी को प्रशिक्षण देंगे, नए पाठ्यक्रमों की जानकारी देंगे और उनकी समस्याओं का निबटारा तुरंत कराएंगे। बेशक हम अभी हम पाठ्यक्रम में कोई बड़ा बदलाव करने नहीं जा रहे मगर यह तय है कि हमारे संबद्ध कॉलेजों की शिक्षा बोध,शोध व रोजगारोन्मुख होगी। हम केवल डिग्री देने के लिए छात्रों को नहीं पढ़ाएंगे। इसलिए हमने तय किया है कि प्रत्येक कॉलेज में छात्र की कम से कम 80 फीसद से ऊपर हाजिरी हों। हम छात्रों को परीक्षा के एक से डेढ़ माह में रिजल्ट देंगे। हमारा प्रयास यह भी रहेगा कि प्रत्येक इंजीनियरिंग कॉलेज को औद्योगिक नगरी फरीदाबाद व पलवल की बड़ी इंडस्ट्री प्लेसमेंट के लिए गोद ले। ऐसे बड़े शिक्षण संस्थान बीएड कॉलेज को गोद लें ताकि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ बाजार के अनुसार प्रेक्टिकल पढ़ाई भी कर सकें।

● वाईएमसीए यूनिवर्सिटी का विस्तार कब होगा ?

-हमने राज्य सरकार से गुरुग्राम-फरीदाबाद मार्ग पर प्रतिबंधित क्षेत्र से अलग जमीन मांगी है। सरकार को इस पर निर्णय करना है। फिलहाल हमने यूनिवर्सिटी के मौजूदा 20 एकड़ के परिसर में सुधार शुरू कर दिया है। यहां कैंपस में हम चाहते हैं कि छात्रों की संख्या तीन से पांच हजार पर अगले दो वर्षों में पहुंच जाए। इसके लिए हम मौजूदा बीटेक कोर्स के अलावा केमिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, एरोनेटिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर सिक्योरिटी के चार नए कोर्स भी यहां शुरू करने जा रहे हैं।

● आप अयोध्या में भारतीय शिक्षण मंडल की कार्यसमिति की बैठक से लौटे हैं, वहां गुरुकुलम कंसेप्ट पर चर्चा हुई...

बीच में रोकते हुए, आपको मैं बता दूं, मौजूदा दौर में प्रत्येक अभिभावक शिक्षा के साथ अपने बच्चों को नैतिक शिक्षा व संस्कार दिलवाना चाहता है। गुरुकुलम कंसेप्ट भारतीय शिक्षा पद्धति में कोई नई बात नहीं है। अयोध्या में भारतीय शिक्षण मंडल की कार्यसमिति की बैठक में आए देश भर के शिक्षाविदों ने प्राचीन ज्ञान, विज्ञान एवं अध्यात्म के साथ आधुनिक ज्ञान, विज्ञान के बोध-शोध पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया है। असली में मेरा मानना है कि विज्ञान के शोध देश की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किए जाएं और ज्ञान के साथ उसे अमल में लाने की कुशलता एवं नैतिक शिक्षा पर भी ध्यान केंद्रित होना चाहिए।

● क्या वाईएमसीए यूनिवर्सिटी आचार्यकुलम की ओर बढ़ेगी ?

यूनिवर्सिटी का अपना एक प्रारूप होता है, हम उसमें कोई बड़ा बदलाव करने नहीं जा रहे मगर हम चाहते हैं कि छात्रों की नैतिक शिक्षा पर भी ध्यान केंद्रित हो।

● वाईएमसीए यूनिवर्सिटी का नाम बदलने की मांग कहां से उठी ?

असल में यूनिवर्सिटी की कार्यकारी समिति चाहती है कि विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी का नाम देश के एक बड़े वैज्ञानिक के नाम पर हो। इसलिए समिति ने भौतिकी, जीव व वनस्पति विज्ञान के बड़े वैज्ञानिक डॉ.जेसी बसु के नाम पर यूनिवर्सिटी का नाम रखने की संस्तुति राज्य सरकार को भेजी है।

AMAR UJALA

खास खबर

किसी भारतीय वैज्ञानिक के नाम से होगा विश्वविद्यालय का नाम

वाईएमसीए विश्वविद्यालय का जल्द बदलेगा नाम

अमर उजाला ब्यूरो
फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का नाम जल्द ही बदलने वाला है।

दो दिन पहले ही विश्वविद्यालय की कार्यकारी समिति की बैठक में इसका निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने नाम बदलने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रख दिया है। किसी भारतीय वैज्ञानिक के नाम पर विश्वविद्यालय का नाम रखा जाएगा।

कार्यकारी समिति की बैठक में चर्चा के बाद सीएम को भेजा प्रस्ताव

नाम बदलने का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के तकनीकी शिक्षा के सरकारी विश्वविद्यालय को देश में अहम पहचान दिलाना है।

सूत्रों की मानें तो वाईएमसीए का नाम सुनकर निजी विश्वविद्यालय समझ लिया जाता है। अधिकांश अभिभावक एवं विद्यार्थी इस नाम को लेकर भ्रमित रहते हैं। ऐसे में नाम बदलने से इसको विशेष पहचान मिल सकती है। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है।

ऐसे में इसका नाम बदलकर किसी भारतीय वैज्ञानिक के नाम पर रखने की तैयारी है।

आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय को एपीजे अब्दुल कलाम, होमी जहांगीर भाभा, सीवी रमन, जगदीशचंद्र बसु, विक्रम साराभाई या फिर अनिल काकोकदर के नाम से पहचान मिल सकती है। हालांकि, सूत्र बताते हैं कि फिलहाल जगदीशचंद्र बसु के नाम पर विचार चल रहा है।

मुख्यमंत्री से विश्वविद्यालय का नाम बदलने के लिए आग्रह किया गया है। इससे प्रदेश के इस विश्वविद्यालय को पहचान मिलेगी। प्रदेश सरकार के जवाब का इंतजार है। उम्मीद है कि भारतीय वैज्ञानिक के नाम से विश्वविद्यालय का नामकरण होगा।

-प्रोफेसर दिनेश कुमार, वाइस चांसलर-वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय